

संपत्ति अवभार प्रमाण-पत्र

आवेदन पत्र संख्या

1/2022 वूकि श्री.

किया है कि निम्नलिखित

सम्पत्ति के सम्बन्ध में संव्यावाहारों और अवधारों का संविवरण प्रमाण पत्र दिया जाय ।

(आवेदन में दिए गए राज्य के अनुसार विवरण दें )

इसलिए मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त सम्पत्ति को प्रभावित करनेवाले संव्यवहारों और अवमारों के बारे में बही में और उससे सम्बन्ध अनुक्रमणियों में ता० 01-01-2009

से ता० 19-09-2022 तक तलाशी की गई और ऐसी तलाशी के बाद निम्न संव्वहारों और अवभारों का पता चला है :-

[illegible]

(क) दस्तावेज के अनुसार विवरण दर्ज करें :-

(ख) बंधक की दशा में ब्याज की दर और भुगतान की अवधि दर्ज करें । बषर्ते कि इसके बारे में उल्लेख हो

(ग) पट्टे की दशा में पट्टे की अवधि और वार्षिक लगान दर्ज करें ।

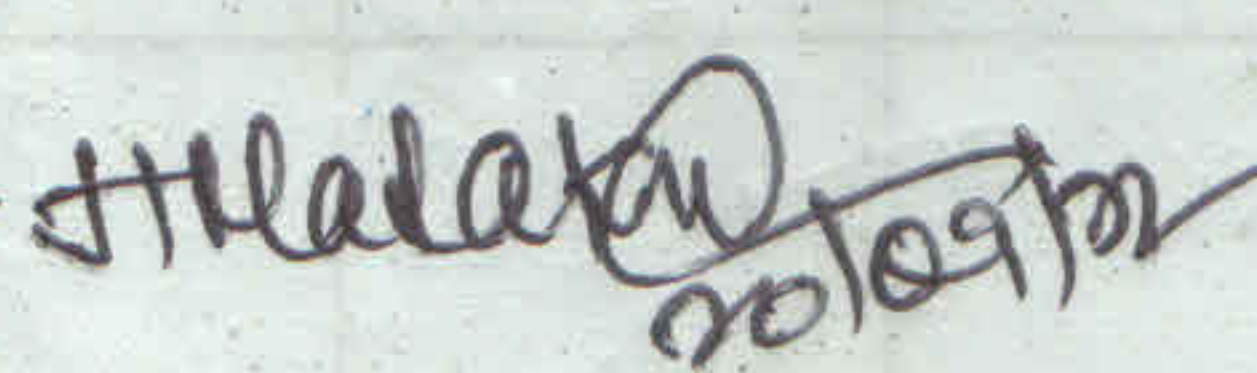


मैं यह ही प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त संव्यवहारों को छोड़कर उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने वाले किसी अन्य संव्यवहारों और अवशरों का पता नहीं चला है।

निम्न व्यक्ति ने तलाषी की प्रमाण पत्र तैयार किया।

प्रमाणित किया जाता है कि निम्न निबन्धन कार्यालय  
 हस्ताक्षर 30/9/2022 खसमण्डल-बल्लभपुर 19.09.2019 से 19.09.2022 के  
 अनुक्रमणिका के 2 पृष्ठ निम्न अ तलाषी आवेदक श्री/श्रीमती  
 पदनाम - मारुत (अधिवक्ता) द्वारा खसमण्डल की। तदनुसार किया -  
 तलाषी, भाग-पारित, भाग नं. 333, खसमण्डल नं. 16, 169  
 खसमण्डल नं. 406 409, खसमण्डल-92.80 डि. का कार्यालय में

तलाषी का सत्यापन ऋणशर प्रमाण पत्र का जाँच निम्न व्यक्ति ने की

हस्ताक्षर -    
 तलाषी के तलाषी के निम्न निबन्धन कार्यालय में  
 अनुक्रमणिका-पत्र निम्न किया जाता है।

पदनाम - निम्न



कार्यालय - निम्न निबन्धन कार्यालय  
 (खसमण्डल)

निबन्धन पदाधिकारी की हस्ताक्षर

तारीख 20.09.2022

टिप्पणी :- इस प्रमाण पत्र में और संव्यवहारों और अवभार दिखाये गये हैं। वे आवेदक द्वारा यथा प्रस्तुत संपत्ति विवरण के अनुसार पाये गये। यदि आवेदक द्वारा दिए गए विवरण देकर नहीं सम्पत्तियों को निबन्धित दस्तावेजों में दिखाया गया हो तो वैसे दस्तावेजों से प्रमाणित संव्यवहार ट्रन्जेक्शन इस प्रमाण पत्र में शामिल न किए जायेंगे।

(2) निबन्धन अधिनियम की धारा 57 के अधीन जो व्यक्ति बहियों और अनुक्रमणियों (इन्डेक्स) को प्रविष्टियाँ देखना चाहते हों, अथवा जो इनकी प्रतिलिपि लेना चाहते हों अथवा उन्हें विनिर्विष्ट संपत्तियों के अवभारों के प्रमाण पत्रों की जरूरत हो तो उन्हें स्वयं तलाषी करनी होगी।

विहित फीस की भुगतान करने पर बहियाँ और अनुक्रमणियों की उनके सामने रख दी जायगी।  
 (क) किन्तु चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक स्वयं तलाषी नहीं की है। इसलिए कार्यालय न अपेक्षित तलाषी अपने भर तक सावधानी से की है विभाग प्रमाण पत्र में दिए गए तलाषी परिणाम को किसी भूल के लिए भी तरह जिम्मेवार नहीं होगा।

(ख) और चूंकि वर्तमान मामले में आवेदक ने अपेक्षित तलाषी स्वयं की है और चूंकि उसके द्वारा ढूँढे गये संव्यवहार और अवभारों की सत्यापन के बाद प्रमाण पत्र में दिया गया है, इसलिए विभाग द्वारा ढूँढे गये ऐसे संव्यवहार और अवभारों को छूट के लिये किसी भी तरह जिम्मेवार न होगा जिसमें उक्त संपत्ति पर आभाव पड़ता हो।